VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M
N 18 SEP 2017
SUBMITTED IN 3 HOURS
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1025)

Name of Candidate	Kanta Langui		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	42370
Center	Mukharjee Nagar	Date	18/09/17

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	12.5	
2	12.5	
3	12.5	
4	12.5	
5	12.5	
6	12.5	
7	12.5	
8	12.5	
9	12.5	
10	12.5	
11	12.5	
12	12.5	
13	12.5	
14	12.5	
15	12.5	
16	12.5	
17	12.5	
18	12.5	
19	12.5	
20	12.5	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are TWENTY questions printed in ENGLISH & HINDI
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

75, 3rd Floor, Old Rajinder Nagar Market, Near Axis Bank, New Delhi – 110060

103, 1st Floor, B/1-2, Ansal Building, Behind UCO Bank, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi – 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer all the questions in NOT MORE THAN 200 WORDS each. Content of the answers is more important than its length. All questions carry equal marks.

12.5X20=250

1. The dual use nature of space technology enables its utilisation for civilian as well as military purposes. In this context, examine the need for a Space Security Policy in India.

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के दोहरे उपयोग की प्रकृति नागरिक एवं साथ ही सैन्य प्रयोजनों के लिए इसके उपयोग को सक्षम बनाती है। इस संदर्भ में, भारत में अंतरिक्ष सुरक्षा नीति की आवश्यकता का परीक्षण कीजिए।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी किसी भी राष्ट्र की आंतरिक एवं बाहरी सुरक्षा एवं मानवीय सेवाओं की दोहरी उपलब्धता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रही है।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी

नागरिक उपयोग

- रिमोट सेंसिंग सेटेलाइट के प्रयोग द्वारा खनन, कृषि, आपदा प्रबंधन इत्यादि में सहयोग
- प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाना
- दूरसंचार सेवाओं में उपयोग (यथा - IRNSS)

सैन्य उपयोग

- GIS द्वारा सैन्य उपयोग
- जासूसी उपकरण इत्यादि
- 'मार्क सेटेलाइट' जैसे सेटेलाइट द्वारा सैन्य क्षमता विश्वसनीय साबित करना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी -

भारत में इसरो 1969 में अपनी स्थापना पश्चात ही अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विस्तार, विकास हेतु प्रयासरत रही है। हाल ही में 104 सैटेलाइट एक साथ छोड़कर भारत ने कीर्तिमान बनाया है

भारत में आंतरिक सुरक्षा नीति : आवश्यकता -

– भारत की आंतरिक सुरक्षा नीति में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग की आवश्यकता है। इसरो हालांकि वायु सेना के साथ मिलकर कई प्रोजेक्ट बना रहा है परंतु इसका अधिकांश समय, ध्यान व्यावसायिक उपयोग वाले प्रोजेक्ट पर है

→ आज युद्ध का आंतरिक सुरक्षा खतरा परम्परागत न होकर हाइब्रिड हो गया है जिसमें परम्परागत तरीकों के साथ-साथ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, साइबर क्राइम जैसी चुनौतियां भी शामिल हैं। यथा - 2008 में मुम्बई अटैक में GPS का प्रयोग,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपराधियों की ट्रैकिंग, मोबाइल पर लोकेशन पता लगाना इत्यादि आसानी से हो सकता है।

सरकार द्वारा उठाये कदम –

हाल ही में सरकार द्वारा इसरो को सुरक्षा नीति में शामिल करते हुए अंतरिक्ष विंग बनाने का फैसला किया गया है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. What are the issues associated with coastal security in India? In this context, discuss whether a Central Marine Police Force can help in addressing these issues.

भारत में तटीय सुरक्षा से संबद्ध मुद्दे क्या हैं? इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि क्या एक केंद्रीय समुद्री पुलिस बल (सेंट्रल मरीन पुलिस फ़ोर्स) इन समस्याओं को हल करने में सहायता कर सकता है?

भारत एक विशाल विविधता वाला राष्ट्र है जिसकी एक लम्बी सीमा समुद्र से लगती है, अतः तटीय सुरक्षा भारतीय आंतरिक एवं बाहरी सुरक्षा का एक प्रमुख बिन्दु रहा है।

तटीय सुरक्षा के मुद्दे -

- तस्करी → हथियारों, शराब, अफीम इत्यादि
- आतंकवाद → 2008 में मुम्बई घटना
- पायरेसी → UN द्वारा समुद्री चुनौती रेखा को पूर्वी देशांतर की ओर करना
- समुद्री डकैती

तटीय सुरक्षा के मुख्य मुद्दों में तटीय निगरानी, पर्यवेक्षण को चुस्त, दुरुस्त बनाना शामिल है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सेंट्रल मेरिन पुलिस फोर्स -

हाल ही में यह सुझाव दिया गया है कि तटीय सुरक्षा हेतु अलग से सेंट्रल मेरिन पुलिस फोर्स का गठन किया जाये।

वर्तमान में तटीय सुरक्षा दल, तटरक्षक बल, नेवी इत्यादि तटीय सुरक्षा का कार्य करती हैं जिसके अन्तर्गत त्रिस्तरीय ढांचा है -

त्रिस्तरीय तटीय सुरक्षा ढांचा -

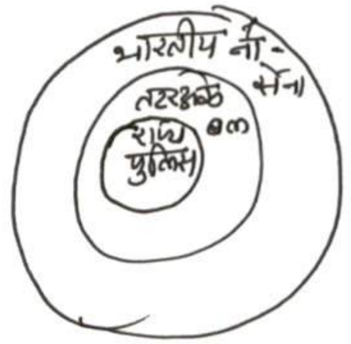

आवश्यकता

- तटीय सुरक्षा की विभिन्न एजेंसियों के मध्य समन्वय बढ़ेगा
- तटीय सुरक्षा आंतरिक सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आयाम है, अतः एकीकृत एवं समन्वित नीति।
- राजनीतिक एवं बाह्य दबावों से परे होगी

आगे की राह -

वस्तुतः आवश्यकता सभी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बलों में आपसी सामंजस्य द्वारा समन्वयकारी नीति अपनाने की है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Cyber terrorism holds serious potential to paralyze economic and financial institutions in India. What are the issues and challenges w.r.t. India's cyber security? What initiatives has the GoI taken to address the same?

साइबर आतंकवाद भारत में आर्थिक एवं वित्तीय संस्थाओं को शक्तिहीन करने संबंधी गंभीर क्षमता रखता है। भारत की साइबर सुरक्षा से संबद्ध मुद्दे और चुनौतियाँ क्या हैं? इनका समाधान करने के लिए भारत सरकार ने कौन-सी पहलें की हैं?

साइबर आतंकवाद से तात्पर्य "साइबर, कम्प्यूटर प्रणाली के माध्यम से होने वाले आक्रमण से है जिसके अन्तर्गत मैलवेयर, वायरस द्वारा फाइल्स, ई-मेल इत्यादि को हैक, करप्ट किया जाता है"

साइबर आतंकवाद आज भारत की आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा समक्ष एक बड़ा खतरा बन कर उभरा है हाल ही में रैंसमवेयर वानाक्राई वायरस, इसरो की ऑफिशियल साइट तक वायरस पहुंचना इसकी गंभीरता को दर्शाते हैं।

साइबर सुरक्षा के मुद्दे -

साइबर सुरक्षा में एंटी-वायरस प्रणाली, बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को प्रभावी बनाना, जन जागरूकता, वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता का प्रसार महत्वपूर्ण है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

साइबर सुरक्षा की चुनौतियां

- हैकिंग – कम्प्यूटर की गाइडस को हैक कर देना।
- वायरस, मालवेयर – वायरस द्वारा कम्प्यूटर प्रणाली को अतिग्रस्त करना।
- फिशिंग – बैंक अकाउंट तक पहुंच बनाना।
- ट्रोजन हॉर्स
- बोटनेट इत्यादि

हाल ही में भारतीय बैंकिंग सिस्टम में सेंध लगाकर कई लोगों के ATM से पैसे निकालने की घटना।

सरकार द्वारा पहल -

- सरकार द्वारा "कम्प्यूटर इमरजेन्सी रेस्पांस टीम (CERT-IN) का गठन किया गया है ताकि साइबर आतंकवाद पर त्वरित कार्यवाही की जा सके।
- नेशनल इंटेलीजेंस कमिशन (NIC) की स्थापना
- पंचायतों तक डिजिटल साक्षरता हेतु PM-DISHA कार्यक्रम, भारतनेट इत्यादि।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- हाल ही में रिजर्व बैंक द्वारा सभी सार्वजनिक बैंकों को साइबर सुरक्षा सेल गठन का निर्देश दिया।

सुझाव

- वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया जाये।
- डिजिटल समावेशन
- विभिन्न कार्यकारी संस्थाओं में समन्वय का प्रयास किया जाये।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Critically examine the feasibility of fencing the Indo-Myanmar border as a strategy to contain insurgency given the existing Free Movement Regime (FMR) between the two countries.

उग्रवाद को नियंत्रित करने की रणनीति के रूप में भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने संबंधी व्यवहार्यता का, दोनों देशों के बीच मौजूदा मुक्त आवागमन व्यवस्था (Free Movement Regime) के परिप्रेक्ष्य में आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भारत उग्रवाद, माओवाद की समस्या से ग्रसित रहा है जिसके अन्तर्गत पड़ोसी देशों यथा - बांग्लादेश, म्यांमार के मार्ग से उग्रवादी संगठन हथियार इत्यादि का कार्य करते हैं।

भारत-म्यांमार सीमा : बाड़ की व्यावहार्यता

म्यांमार भारत का पड़ोसी राष्ट्र होने के साथ एक लम्बे समय तक सैनिक शासन से पीड़ित भी रहा है

आवश्यकता -

- उग्रवादी संगठनों की आवाजाही रोकने हेतु
- सीमा पार शरणार्थियों की समस्या रोकने हेतु
- चौकस, सजग सुरक्षा प्रणाली बनाना
- पूर्वोत्तर राज्यों को विकास की धारा में लाने के साथ सुरक्षा सम्बन्धी आश्वासन देना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- भारत म्यांमार सीमा वनों, नदियों, पहाड़ो द्वारा आच्छादित है, बाड़ के माध्यम से उग्रवादियों के आवागमन में कमी आयेगी।

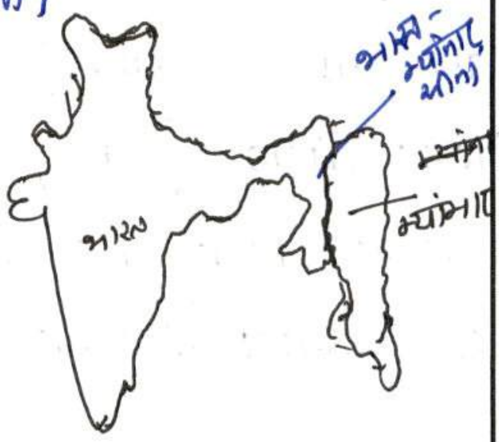

आवश्यकता नहीं.

- म्यांमार द्वारा भारत की उग्रवादियों को रोकने द्वारा हाल में हॉट पस्यूट में मदद की।
- सीमा-पार अच्छे सम्बन्ध
- स्थानीय आवाजाही पर रोक लगेगी
- स्थानीय व्यापार पर गलत प्रभाव
- आपसी सम्बन्धों में दूरी आयेगी।

भारत म्यांमार एक मुक्त आवागमन व्यवस्था आपस में साझा करते हैं जिससे सांस्कृतिक, आर्थिक सम्बन्धों का आदान-प्रदान किया जाता है इसीलिए पूर्वोत्तर के राज्यों द्वारा बाड़ का विरोध किया जा रहा है।

आगे की राह -

भारत को जिन क्षेत्रों में ज्यादा उग्रवादी घटनाएं संचालित हो रही है, वहां बल के साथ अन्य लेजर तकनीकों, 'रिमोट सेंसिंग तकनीकों', नाइट विजन कैमरा का प्रयोग किया जाना चाहिए तथा स्थानीय समुदाय को विश्वास में लिया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. What do you understand by 'lone wolf attacks'? In the wake of increasing lone wolf attacks across the globe, assess India's vulnerability to such attacks. Also, suggest measures that can prevent such attacks.

'लोन वुल्फ हमलों' से आप क्या समझते हैं? विश्व भर में बढ़ते लोन वुल्फ हमलों को देखते हुए इस प्रकार के हमलों के प्रति भारत की सुभेद्यता का आकलन कीजिए। साथ ही, इस प्रकार के हमलों के रोकथाम हेतु उपाय सुझाइए।

लोन वुल्फ हमलों से तात्पर्य बिना किसी आतंकवादी संगठन की मदद के अकेले आतंकवादी विचारधारा से प्रभावित होकर आतंकवादी घटनायें करना है। हाल ही में लंदन, ब्रुसेल्स, बार्सिलोना (स्पेन) इत्यादि स्थानों पर इस प्रकार की घटनायें विश्व समुदाय का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं

भारत की सुभेद्यता -

भारत एक बहुसांस्कृतिक, बहुधार्मिक राष्ट्र है जिसमें विभिन्न धर्म, पंथ के लोग निवास करते हैं।

- आतंकवादी घटनाओं के प्रति बढ़ती सामाजिक नेटवर्किंग के माध्यम से
- युवा वर्ग का इस ओर रुझान (यथा - हाल ही में केरल में कई युवाओं को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ISIS से संपर्क रखते हुए पाया गया)

- मुसलमान युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी के कारण आकर्षण हो सकता है
- जेहादी आक्रमण के नाम पर लोगों को आकर्षित करना
- भारत के पड़ोसी राष्ट्रों यथा - अफगानिस्तान, पाक, बांग्लादेश इत्यादि में बढ़ता धार्मिक कट्टरतावाद

भारत : सुभेद्य नहीं -

- जहां विश्व के अन्य मुस्लिम सम्प्रदाय इसके पक्ष में जा रहे हैं, भारतीय मुसलमान इसके विरोध में हैं।
- भारत में इस्लाम सूफी धारा के माध्यम से आया है जिससे यहां धार्मिक उदारतावाद की भावना है
- भारतीय संविधान में अल्पसंख्यकों हेतु पर्याप्त अधिकार व संरक्षण (A - 25-30)
- तथ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुझाव -

- भारत सरकार को साइबर सिक्योरिटी को कड़ा करना चाहिए तथा युवा वर्ग को इस ओर आकर्षित होने से बचाया जाना चाहिए।
- अल्पसंख्यक समुदाय हेतु सामुदायिक विकास की योजनायें चलाना, शैक्षिक जागरूकता बढ़ाना इत्यादि।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What are the factors that lead to generation of black money in India? Discuss the role played by India both domestically and internationally to neutralise the menace of money laundering and black money.

भारत में काले धन के सृजन की परिस्थितियों को उत्पन्न करने वाले कारक क्या हैं? घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मनी लॉन्ड्रिंग तथा काले धन के खतरे को निष्प्रभावी करने में भारत की भूमिका की चर्चा कीजिए।

भारत में काला धन एक प्रमुख सुरक्षा चुनौती रहा है तथा समानांतर अर्थव्यवस्था के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक विकास को अवरुद्ध कर रहा है

काला धन : उत्पत्ति के कारक

- टैक्स चोरी
- टैक्स में छूट
- करों की दर ज्यादा होना
- टैक्स हैवन देशों की संलिप्तता
- भ्रष्टाचार
- राजनीति-अपराधी गठजोड़

भारत की भूमिका

घरेलू स्तर पर -

- काला धन अधिनियम, 2015
- बेनामी लेन-देन सम्पत्ति अधिनियम 2016
- सुप्रीम कोर्ट द्वारा बेनामी लेन-देन पर स्पेशल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इन्वेस्टीगेशन टीम (SIT) बनाना

- सिंगापुर, मॉरिशस इत्यादि देशों से दोहरा कर परिहार समझौते में संशोधन करना
- भारतीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से अग्रिम मूल्य हस्तांतरण (APA) समझौता करना
- विमुद्रीकरण, GST क्रियान्वयन

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर -

- G-20 देशों के साथ मिलकर फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) का क्रियान्वयन जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग पर राष्ट्रों में आपसी सहयोग किया जाता है
- हाल ही में ब्रिक्स एवं अन्य अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत ने इस पर रोक लगाने एवं सख्त कदम उठाने की मांग की है

निष्कर्ष :

भारत में टैक्स - जीडीपी अनुपात केवल 16% है जिसका प्रमुख कारण काले धन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

है। कर प्रक्रिया का सरलीकरण (GSTN, प्रोजेक्ट इनसाइट), कर छूटों का व्यवस्थीकरण कर, राजनीतिक दलों को आयकर रिटर्न जमा करने हेतु पाबन्द करके भारत इस दिशा में समुचित कदम उठा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. The national security of the country cannot be strengthened until we focus on intelligence sharing and ensure greater coordination among agencies. Elaborate. Also, highlight the steps being taken by the government to strengthen its intelligence network.

जब तक हम विभिन्न एजेंसियों के मध्य आसूचना साझाकरण (इंटेलिजेंस शेयरिंग) एवं बेहतर समन्वय पर ध्यान केंद्रित नहीं करेंगे, देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ नहीं किया जा सकता। विस्तारपूर्वक बताइए। साथ ही, सरकार द्वारा अपने आसूचना नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डालिए।

किसी भी राष्ट्र की 'राष्ट्रीय सुरक्षा' के प्रमुख कारक विभिन्न संस्थाओं के मध्य सहयोगपूर्ण सम्बन्ध है।

भारत में विभिन्न संस्थाओं में सहयोग :

आसूचना साझाकरण हेतु भारत में विभिन्न संस्थाओं यथा - ~~भार~~

(i) कम्प्यूटर इमरजेंसी रेस्पांस टीम (CERT-IN)

(ii) NET GRID की स्थापना

(iii) NIC की स्थापना

(iv) विभिन्न पुलिस स्टेशनों, रक्षा संस्थानों में स्थित साइबर सेल कार्यरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इन सबके मध्य सहयोग एक अत्यन्त वांछनीय आवश्यकता है क्योंकि

- समन्वय के अभाव में सुरक्षा चूकों का खतरा जैसे - 2008 में मुम्बई हमले
→ साइबर आतंकवाद में वृद्धि का खतरा हाल ही में बैंकिंग क्षेत्र में
→ लोगों की गोपनीयता व प्राइवेसी के अधिकार का उल्लंघन (SC द्वारा हाल में मूल अधिकार घोषित किया)
→ हाल ही में साइबर विंग को भारत की नई युद्ध नीति एवं सुरक्षा नीति का प्रमुख घटक बनाया गया है
- हाइब्रिड खतरा एवं युद्ध की संभावना से बचने हेतु

सरकार द्वारा उठाये गये कदम -

→ कम्प्यूटर इमरजेंसी रेस्पॉन्स टीम (CERT-IN)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

का पालन।

- सभी आसूचना संस्थाओं में एक साथ ट्रेनिंग एवं वर्कशॉप का प्रारंभ ताकि आपसी विश्वास बढ़ोतरी हो।

- कार्य क्षेत्र की अपेक्षा आवश्यकता होने पर त्वरित सूचना संरक्षण एवं साझा करने पर बल।

इस प्रकार भारत द्वारा सूचना तकनीक को प्रभावी उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है जिसे और बनाने, परिष्कृत करने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. In what ways is the approach of "Act East" Policy different from "Look East" Policy? Suggest certain priority areas on which India should focus upon to fulfill its ambitious geostrategic and economic goals in the region.

"लुक-ईस्ट" नीति की तुलना में "एक्ट ईस्ट" नीति का दृष्टिकोण किस प्रकार भिन्न है? इस क्षेत्र में अपने महत्वाकांक्षी भू-रणनीतिक और आर्थिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कुछ ऐसे प्राथमिकता क्षेत्रकों का सुझाव दीजिए जिन पर भारत को अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

भारत द्वारा पूर्वी एशिया से सम्बन्धों को सुधारने तथा व्यापकता प्रदान करने हेतु 1992 में 'लुक ईस्ट नीति' को अपनाया गया था। हाल ही में 2015 में इसकी जगह 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' अपनाई गई।

भिन्नता

लुक- ईस्ट नीति	एक्ट ईस्ट नीति
- आर्थिक सम्बन्धों पर अधिक बल	- आर्थिक सम्बन्धों के साथ सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक सम्बन्धों पर बल।
- केवल आसियान राष्ट्रों तक सीमित	पूर्वी एशिया, जापान इत्यादि राष्ट्रों को शामिल करना।
- म्यांमार की भूमिका सीमित।	· म्यांमार एक्ट एशिया के द्वार के रूप में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारतीय प्रयास -

⇒ सामरिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना - भारत को पूर्वी एशिया के साथ सामरिक एवं सैन्य सम्बन्धों में बढ़ोतरी करनी चाहिए। हाल ही में भारत द्वारा वियतनाम को परमाणु प्रौद्योगिकी हेतु समझौता किया गया।

- जापान के साथ 'मालाबार सैन्य अभ्यास' करना

⇒ कृषि के क्षेत्र में - पूर्वी एशिया के कई राष्ट्र कृषिगत तकनीकों में अग्रणी है जिसमें भारत सहयोग कर सकता है यथा - म्यांमार से दाल आयात

⇒ आर्थिक, व्यापारिक - आसियान भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है जिसे आगे और बढ़ाया जा सकता है।

⇒ क्षेत्रीय संगठनों के माध्यम से - RCEP, आसियान, आसियान रिजनल फोरम, बिम्सटेक, मेकांग गंगा समूह इत्यादि के माध्यम से।

इसके अलावा विभिन्न गतिविधियां, चीन को संतुलित करने में एक्ट ईस्ट पॉलिसी नीति।

कारगर हो सकती है 'प्रोजेक्ट मौसम' इसमें सहायक हो सकता है

निष्कर्ष :-

भारत विश्व की प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्था है जो अपनी सॉफ्टपावर के माध्यम से एक्ट एशिया नीति को कारगर बना सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. In recent years there has been an increasing convergence between Russia and China on several global issues. What are its implications for India? What steps should be taken by India to protect its national interests?

हाल के वर्षों में रूस और चीन के बीच कई वैश्विक मुद्दों पर समाभिरूपता (कन्वर्जेंस) में निरंतर बढ़ोत्तरी देखी गयी है। भारत के लिए इसके क्या निहितार्थ हैं? भारत द्वारा अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए कौन-से कदम उठाए जाने चाहिए?

अमेरिकी नीतियों के बढ़ते प्रभाव को कम करने तथा अमेरिका की 'एशिया पाइवोट' की नीति को प्रतिसंतुलित करने में रूस एवं चीन में आपसी सम्बन्धों की प्रगाढ़ता बढ़ रही है हाल ही में सीरिया मुद्दे, क्रीमिया मुद्दे, आतंकवाद के मुद्दे पर दोनो राष्ट्रों में समाभिरूपता देखी गई।

भारत के लिए निहितार्थ -

- रूस भारत का प्राकृतिक मित्र रहा है, अतः रूस का चीन की ओर झुकाव भारत के लिए चिंता का विषय है
- भारत और रूस कई क्षेत्रों में सहयोगी हैं परंतु चीन के माध्यम से रूस का पाक को हथियार निर्यात करना भारत के लिए गंभीर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- वन बेल्ट वन रोड प्रोजेक्ट पर रूस का चीन के साथ होना भारत के पक्ष को कमजोर करता है
- हाफिज सईद, मसूद अजहर को अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवादी घोषित करने में दोनों राष्ट्रों का इंकार करना
- अफगानिस्तान में तालिबान से सम्बन्ध स्थापना का प्रयास भारत के लिए चिंतनीय

भारत द्वारा उठाये जाने वाले कदम.

- भारत को अमेरिका के साथ-साथ रूस से भी अपने पुराने सम्बन्धों का नवीनीकरण करते हुए सुदृढ़ करना चाहिए
- अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में राष्ट्रीय सुरक्षा-प्रथम की नीति के अनुसार सम्बन्धों में विविधीकरण का प्रयास करना चाहिए जैसे कि भारत - जापान, भारत-जर्मनी, EU. इत्यादि
- हथियार आयात हेतु अन्य राष्ट्रों पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निर्भर रहने की अपेक्षा स्वदेशी पर बल, मेक इन इंडिया को प्रोत्साहन

सारांशतः भू-राजनीतिक एवं आर्थिक आवश्यकतायें यथार्थवादी राजनीति का निर्धारण करती हैं, अतः भारत को रूस के साथ अन्य राष्ट्रों से सम्बन्ध विस्तार करना चाहिए जैसे - एक्ट एशिया पॉलिसी, मध्य एशिया की नीति इत्यादि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. After remaining peripheral to India's foreign policy priorities, the Indian Ocean has recieved some attention in recent years. Nonetheless, given the significance it holds, involvement of actors with diverse interests and existing challenges, it is imperative that India redoubles its efforts in shaping the future of the region. Discuss.

दीर्घकाल तक भारत की विदेश नीति की प्राथमिकताओं में हाशिये पर रहने के उपरांत, हिंद महासागर ने हाल के वर्षों में कुछ ध्यान आकर्षित किया है। इसके अंतर्निहित महत्व, विभिन्न हितों वाले देशों के शामिल होने और मौजूदा चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए, यह आवश्यक है कि भारत इस क्षेत्र के भविष्य को आकार प्रदान करने में अपने प्रयासों को और अधिक बढ़ाए। चर्चा कीजिए।

हिंद महासागर भारत का प्रमुख भौगोलिक, आर्थिक, राजनीतिक संदर्भ रहा है परंतु विगत कुछ वर्षों पहले भारत द्वारा इसकी प्राथमिकता पर अधिक ध्यान नहीं दिया गया यथा - बिम्सटेक की स्थापना 1997 में हुई परन्तु इसको प्रभावी क्रियान्वित नहीं किया गया।

हाल के घटनाक्रम -

भारत द्वारा हिंद महासागर को अपनी विदेश नीति में एक प्रमुख भाग बनाकर शामिल किया गया है तथा 'ब्लू इकोनॉमी' के माध्यम से सागरीय पड़ोसी राष्ट्रों से सम्बन्ध स्थापना का प्रयास किया जा रहा

है ।

- लिपिक राष्ट्रों के साथ 'जयपुर घोषणापत्र'
- बिम्सटेक, मेकांग गंगा समूह इत्यादि को प्रभावी बनाना
- बांग्लादेश, भारत, म्यांमार (BBN) मोटर वाहन समझौता करना
- समुद्री पायरेसी पर रोक लगाने हेतु प्रयास
- विशाखापट्टनम में इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू (2016) का आयोजन
- चाबहार बंदरगाह का विकास
- अफ्रीका राष्ट्रों से सम्बन्ध स्थापना का प्रयास

हिन्द महासागर का महत्व -

- तटीय सुरक्षा
- आतंकवाद पर रोक
- प्राकृतिक संसाधन
- सागरीय सम्प्रभुता

हिन्द - महासागर चुनौतियाँ -

- हिन्दमहासागर क्षेत्र के राष्ट्रों में अलग-2 राजनीतिक, आर्थिक प्रणाली
- परस्पर विश्वास, सहयोग की कमी
- युद्ध, विवाद, आतंकवाद यथा - मध्य एशिया,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत- पाक, नेपाल मिलिशन

- विकास की दौड़ में पीछे, सामाजिक आर्थिक पिछड़ापन

भारत द्वारा प्रयासों की आवश्यकता -

भारत हिन्द महासागर का अग्रणी राष्ट्र है, अतः

- 'ब्लू इकोनॉमी' को आकार प्रदान करने, महत्व प्रदान करना

- आपसी सहयोग का प्रयास, सागरीय प्लेट रिपु जैसी कार्यवाहियां करना

- समुद्री पायरेसी, तटीय सुरक्षा इत्यादि मुद्दों पर ध्यान देना

हिंद महासागर : भू-राजनीतिक महत्व

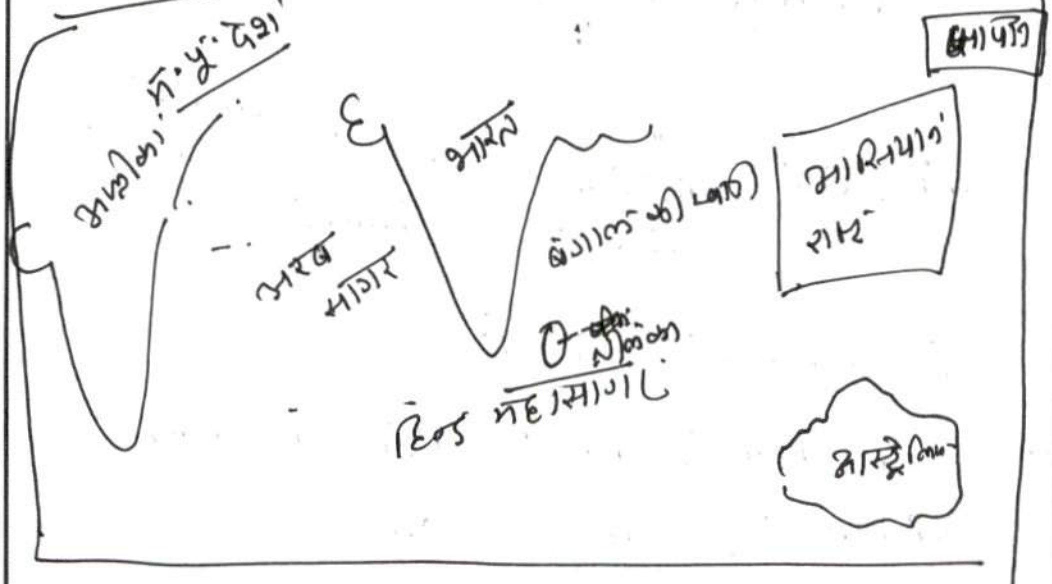

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. What are the objectives and key achievements of the United Nations Commission on International Trade Law (UNCITRAL)? Also, highlighting India's association with the Commission, identify its influence on various domestic legal regimes.

अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (यूनाइटेड नेशन कमीशन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड लॉ: UNCITRAL) के उद्देश्य और प्रमुख उपलब्धियां क्या हैं? साथ ही, इस आयोग के साथ भारत की संबद्धता पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न घरेलू विधिक व्यवस्थाओं पर इसके प्रभाव की पहचान कीजिए।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (UNCITRAL) संयुक्त राष्ट्र की एक प्रमुख एजेंसी है जो व्यापार एवं निवेश सरलीकरण के मुद्दे पर प्रकार्यवादी सिद्धान्त (बिखरे जाने के सिद्धान्त) पर कार्य करती है

उद्देश्य –

- राष्ट्रों के मध्य सहयोग की स्थापना
- व्यापार मुद्दों पर विवाद सुलझाना।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की कानूनी का प्रसार
- अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री पायरेसी, समुद्री डकैती जैसी मुद्दों से निपटना

प्रमुख चुनौतियां

- विकसित राष्ट्रों द्वारा संरक्षणवादी नीतियां
- विकासशील - विकसित राष्ट्रों में द्वन्द्व
- अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय का अभाव

उपलब्धियां -

- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का सरलीकरण
- विधि निर्माण के माध्यम से विकसित-विकासशील राष्ट्रों में दूरी कम करना।
- WTO के सदस्य राष्ट्रों में व्यापार, निवेश के मुद्दों पर सहयोग कराना
- आर्थिक, साधनों का समतापूर्ण वितरण

UNCITRAL एवं भारत -

UNCITRAL का भारत संस्थापक सदस्य रहा है तथा विभिन्न गतिविधियों में भारत की सकारात्मक उपस्थिति रही है।
- UNCITRAL के विभिन्न संसाधनों में भारत का योगदान रहा है।
- भारत UNCITRAL की दक्षिण-दक्षिण-सहयोग की नीतियों का समर्थक रहा है।

इस प्रकार भारत एवं यूनाइटेड नेशन कमीशन आॅन इंटरनेशनल लाॅ के मध्य सम्बन्ध भारतीय की अन्तर्राष्ट्रीय

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

वित्तीय संस्थाओं में बढ़ती भागीदारी का परिचायक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. What are the issues and challenges faced by Indian migrants in the Gulf countries? Enumerate the steps taken by the Indian government to address these.

खाड़ी देशों में भारतीय प्रवासियों द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दे एवं चुनौतियाँ क्या हैं? इनसे निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध कीजिए।

खाड़ी देशों में प्रवासी भारतीय नागरिकों के माध्यम से भारत को आर्थिक सुरक्षा (रेमिटेंस), सांस्कृतिक सम्बन्ध, अन्तर्राष्ट्रीय सॉफ्ट पावर के रूप में स्थापना में सहायता मिली है।

प्रवासी भारतीय प्रमुख चुनौतियां व मुद्दे

- सुरक्षा - प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा एक प्रमुख मुद्दा रहा है क्योंकि ये राष्ट्र आंतरिक अस्थिरताओं से घिरे हुए हैं
- वेतन - भारतीय प्रवासियों को बहुत कम वेतन पर काम करने हेतु मजबूर किया जाता है
- कफाला व्यवस्था - कफाला सिस्टम के माध्यम से भारतीय मजदूरों का शोषण
- मानवाधिकार हनन के माध्यम से शोषण

इसके अलावा भारतीय महिलाओं, बच्चों की तस्करी, सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं।

भारत सरकार द्वारा उठाये कदम -

- भारत द्वारा मध्य-पूर्व के राष्ट्रों से इस हेतु द्विपक्षीय समझौते किये गये हैं जिसके माध्यम से भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा का प्रयास करता है।
- हाल ही में यमन में ऑपरेशन राहत के माध्यम से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया गया।
- भारत सरकार द्वारा ट्विटर डिप्लोमेसी के माध्यम से प्रवासी भारतीयों की समस्या पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस प्रकार भारतीय सरकार द्वारा प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा हेतु प्रयास किये गये हैं परंतु इस हेतु -

- विभिन्न विदेश कार्यालयों में समन्वय का प्रयास करना।
- अवैधानिक पासपोर्ट इत्यादि पर रोक लगाना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- भारतीयों के खिलाफ होने वाले मामलों को अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर उठाना आवश्यक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. The recent breakthrough in the Civil Nuclear field is a sign of India-Japan relations moving beyond the calculations of complementarities and cooperation. Analyse in view of the multiple factors shaping India-Japan relations.

नागरिक परमाणु क्षेत्र में हाल ही में प्राप्त सफलता भारत-जापान संबंधों का अन्योन्याश्रितताओं (अनुपूरक) और सहयोग से परे जाने का चिह्न है। भारत-जापान संबंधों को आकार प्रदान करने वाले विविध कारकों का विश्लेषण कीजिए।

भारत- जापान सम्बन्ध आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक सम्बन्धों की वृद्धि को परिचायक है

भारत जापान सहयोग के मुद्दे -

- तकनीकी हस्तान्तरण — दिल्ली मेट्रो, अहमदाबाद-मुम्बई बुलेट ट्रेन इत्यादि के माध्यम से जापान भारत की तकनीकी सहायता कर रहा है
- आर्थिक सम्बन्ध - भारत-जापान के मध्य मजबूत आर्थिक व्यापारिक सम्बन्ध है
- अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा, आपदा-प्रबंधन इत्यादि मुद्दों पर भारत-जापान में आपसी सहयोग है

हाल ही में भारत-जापान द्वारा चीन के Rebalance ब्लाक होना यथा डोकलाम

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मुद्दे पर, उत्तरी कोरिया पर भारत द्वारा जापान को साथ देना इनके सम्बन्धों को सहयोग से परे प्राकृतिक मित्रों की श्रेणी में लाता है

भारत - जापान सम्बन्ध : विविध कारक

- चीन की विस्तारवादी नीति का प्रतिसंतुलन
- एक्ट एशिया नीति का कारक
- सांस्कृतिक संबंध - बौद्ध धर्म
- तकनीकी क्षेत्र (भारत - अहमदाबाद जापान - हाई वे पर)
- राजनीतिक, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार

भारत : जापान → भू-स्थिति

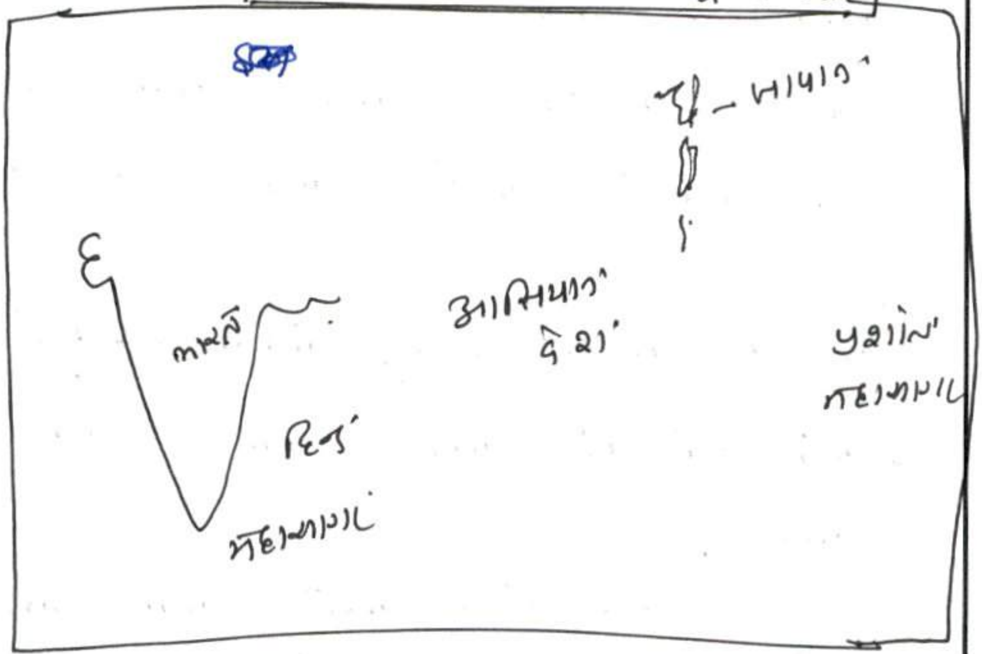

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत - जापान सम्बन्धों यद्यपि सहयोगपूर्ण हैं तथापि आपसी मुद्दे यथा - WTO में व्यापारिक विवाद को सुलझाकर सम्बन्धों को और सुदृढ़ किया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. The Commonwealth grouping has been accused of talking about ideals that it does not uphold and wasting the resources of governments. Critically analyse the statement and comment on the relevance of the Commonwealth grouping in present times.

राष्ट्रमंडल समूह पर उन आदर्शों के संबंध में चर्चा करने जिनका स्वयं इसके द्वारा अनुसमर्थन नहीं किया जाता एवं सरकारों के संसाधनों का अपव्यय करने के आरोप लगते रहे हैं। इस कथन का *आलोचनात्मक* विश्लेषण कीजिए एवं वर्तमान समय में राष्ट्रमंडल समूह की प्रासंगिकता पर टिप्पणी कीजिए।

राष्ट्रमंडल समूह उन राष्ट्रों का समूह है जो कभी ब्रिटिश उपनिवेश के शिकार रहे थे।" इसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, द. अफ्रीका, इंडोनेशिया इत्यादि राष्ट्र शामिल है)

राष्ट्रमंडल राष्ट्र : चुनौतियाँ -

→ संयुक्त राष्ट्र के नीतियों, कार्यक्रमों का दोहरीकरण

→ सदस्य राष्ट्रों का घटता विश्वास

→ वित्तीय भागीदारी में कमी (केवल भारत, आस्ट्रेलिया, कनाडा) जैसे राष्ट्रों द्वारा

→ नीतियों की प्रासंगिकता नहीं

→ राष्ट्रमंडल पर नीतियों को बार-बार बदलने का भी आरोप लगता है)

राष्ट्रमंडल समूह : प्रासंगिकता :-

- राष्ट्रमंडल समूह द्वारा आतंकवाद पर लगाम कसने हेतु चर्चा
- राष्ट्रमंडल ऐसा संगठन जिसने अपनी नीतियों के खिलाफ जाने पर अपने सदस्य - पाकिस्तान को बहिष्कृत किया
- राष्ट्रमंडल राष्ट्र विकासशील एवं विकसित राष्ट्रों के मध्य बढ़ते सहयोग के परिचायक है।
- सागरीय तस्करी, सीमा पार आतंकवाद, उग्रवाद पर आपसी सहयोग

राष्ट्रमंडल : भारत के लिए निहितार्थ

- भारतीय नेतृत्वशीलता का परिचायक
- ऊर्जा सुरक्षा (यथा - ऑस्ट्रेलिया से परमाणु करार इत्यादि)
→ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में
→ अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में सॉफ्ट पावर 'व' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सदस्यता का दावा 'मजबूत' बनाने में सहायता
- अब NSG (न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप) की सदस्यता में सहायक।

इस प्रकार राष्ट्रमंडल को वर्तमान परिप्रेक्ष्य के अनुसार नीति निर्धारण का प्रयास कर समसामयिक उपयोगी बनाया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. ISRO has successfully flight tested the Reusable Launch Vehicle-Technology Demonstrator (RLV-TD). Discuss the significance of RLV and bring out the differences between RLVs and conventional Launch Vehicles (LVs). What are the challenges in successful execution of RLVs?

इसरो (ISRO) ने पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण वाहन-तकनीक प्रदर्शक (रियूजेबल लॉन्च व्हीकल-टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेटर: RLV-TD) की उड़ान का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। RLV के महत्व पर चर्चा कीजिए तथा RLVs एवं पारंपरिक प्रक्षेपण वाहनों (लॉन्च व्हीकल: LVs) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। RLVs के सफल कार्य-निष्पादन में क्या चुनौतियां हैं?

इसरो द्वारा पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण वाहन तकनीक (RLV -TD) के माध्यम से अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रमुख सफलता प्राप्त की गई। यह वाहन एक इंजन को दुबारा उपयोग का लागत घटाने तथा विश्वसनीयता बढाने की प्रमुख कारक है।

RLV - महत्व

- भारत की व्यावसायिक क्षमता में सुधार
- कम लागत में अधिक प्रक्षेपण
- भारत की अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति में सुधार
- इसरो को व्यावसायिक उपयोग में काम लेना यथा - रेवेन्यू जनरेशन
-

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

RLV-TD एवं LV में अन्तर -

RLV-TD में इंजन को दुबारा प्रयोग किया जा सकता है, पुराने लांच व्हीकल में नहीं।

RLV-TD में पंखों का उपयोग इस प्रकार किया जायेगा कि आसानी से लैंडिंग हो सके जबकि पुराने तकनीकों में आकाश में ही व्हीकल समाप्त हो जाता था

इन दोनों में मुख्य अन्तर तकनीक का है जिसमें RLV-TD में क्रायोजेनिक का प्रयोग किया गया है

RLV चुनौतियां

- दूसरे देशों व्यावसायिक लागत ज्यादा
- अंतरिक्ष कचरा बढ़ेगा
- अंतरिक्ष में विमान ओजोन की होड़. बढ़ेगी
- लम्बे रनवे की आवश्यकता (5 km से ज्यादा)
- marketing में अन्य संस्थाओं की प्रतिस्पर्धा
- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में कमी.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उल्लेखनीय है कि इसरो की विश्वसनीयता में बढ़ोतरी हुई है इसीलिये भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु ऐसे प्रयोग आवश्यक हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Women constitute just 14% of science researchers in India, though they are no longer a minority within higher education when it comes to STEM. Analyse the reasons for this state of affairs and discuss how it can be addressed.

यद्यपि भारत में विज्ञान शोधकर्ताओं की कुल संख्या में महिलाएं केवल 14% ही हैं, किन्तु STEM के संदर्भ में उच्च शिक्षा के अंतर्गत वे अब अल्पसंख्यक नहीं हैं। इस स्थिति के कारणों का विश्लेषण कीजिए और चर्चा कीजिए कि इसका समाधान किस प्रकार किया जा सकता है?

भारत में महिलाओं की उच्च शिक्षा में बढोतरी बढ रही है परंतु विज्ञान के क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी आज भी कम ही है।

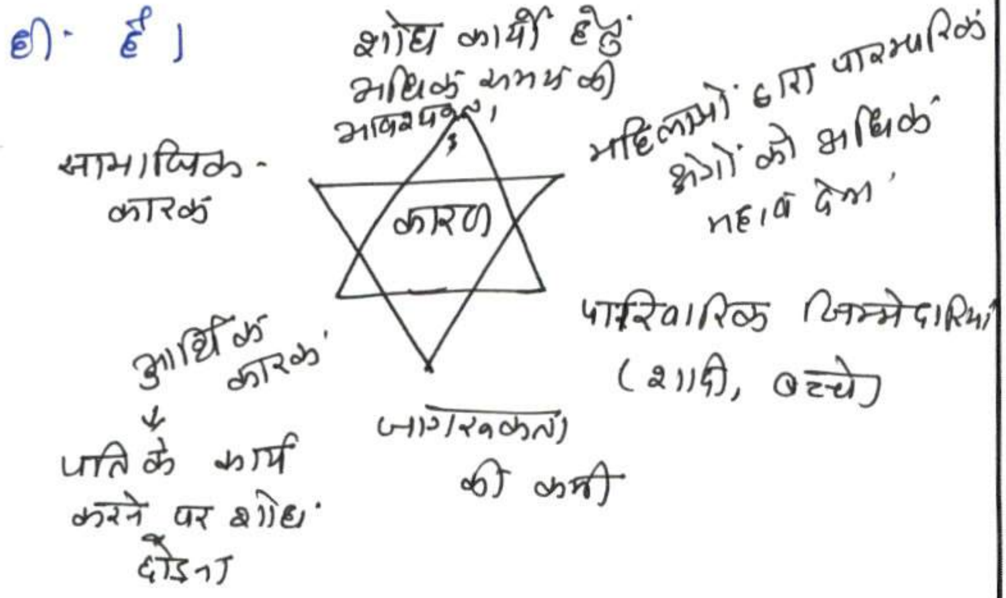

समाधान -

- सरकार को महिलाओं की भागीदारी इस क्षेत्र में बढाने हेतु जागरूकता अभियान चलाना चाहिए

→ प्रख्यात महिला वैज्ञानिकों, प्रख्यात-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शोध कर्ताओं के माध्यम से महिलाओं को शोध की उपयोगिता बताना।

→ घर पर ही रहकर शोध हेतु प्रोत्साहन देना

→ शोध में व्यवधान आने पर दुबारा शुरू करने में सहायता देना

→ सोशल मीडिया, NGO इत्यादि की सहायता से सोशल कैम्पेनिंग का प्रयास करना

सरकार द्वारा किये गये प्रयास -

- सरकार द्वारा प्रोजेक्ट निधि (NIDHI), प्रोजेक्ट इन्स्पायर (INSPIRE), महिला वैज्ञानिकों को छात्रवृत्ति देना इत्यादि कार्यक्रम चलाये गये हैं।

वस्तुतः सभी प्रयास आवश्यक हैं परंतु पर्याप्त नहीं हैं, इस हेतु व्यापक सुधार कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. What do you understand by Internet Governance? Has the recent development of ICANN becoming free from the US government solved the issues of Internet Governance? What should be the way forward?

इंटरनेट गवर्नेंस से आप क्या समझते हैं? क्या संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार से ICANN के मुक्त होने की हाल ही की घटना ने इंटरनेट गवर्नेंस के मुद्दों का समाधान किया है। आगे की राह क्या होनी चाहिए?

इंटरनेट गवर्नेंस से तात्पर्य 'इंटरनेट' तथा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से गवर्नेंस' को बढ़ावा देना है।'

ICANN -

यह एक अन्तर्राष्ट्रीय इंटरनेट एजेंसी है जो पहले USA के वाणिज्यिक विभाग का कार्य देखती थी। हाल ही में इसका समझौता समाप्त होने पर इसने स्वतंत्र एजेंसी के रूप में "साझेदारी दायित्व' के आधार पर कार्य का निर्णय लिया है। (मराकेश, मोरक्को में)

इंटरनेट गवर्नेंस - मुद्दे, चुनौतियां :-

- यह एक स्वतंत्र एजेंसी होगी इसलिए व्यापारिक मामलों में लाभ को ध्यान दे सकती है।

- अभी भी USA का नियंत्रण
- विभिन्न शेयरधारकों, हितधारकों में सहयोग की रूपरेखा स्पष्ट नहीं।
- अभी तक कोई कानून के अन्तर्गत नहीं है

इंटरनेट गवर्नेंस: लाभ

- इंटरनेट पर सभी राष्ट्रों में भागीदारी बढ़ेगी
- संयुक्त राष्ट्र अमेरिका का पक्षपाती रवैया समाप्त होगा
- इंटरनेट के मौलिक अधिकार जिसे 2016 में UN द्वारा स्वीकार किया गया, को पहुंच बढ़ाने में सहायक होगा।

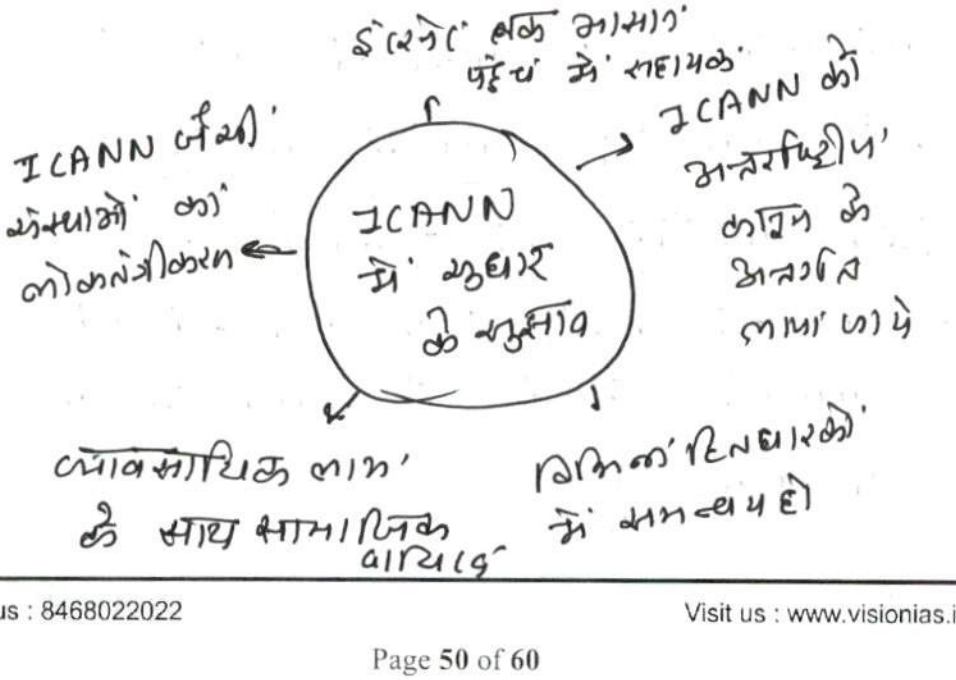

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अंततः ICANN को वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप प्रभावी बनाकर लाभ - समावेशी विकास की चुनौतियों को पार सकते हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Increase in the cases of nosocomial infections has emerged as a major concern in India. What are nosocomial infections? What are its causes and why is it a major concern in India? Identify the measures required to combat these infections.

भारत में नोसोकोमियल संक्रमण (nosocomial infections) के मामलों में बढ़ोत्तरी एक प्रमुख चिन्ता के विषय के रूप में उभरी है। नोसोकोमियल संक्रमण क्या हैं? इसके कारण क्या हैं और यह भारत में एक प्रमुख चिन्ता का विषय क्यों है? इन संक्रमणों की रोकथाम करने हेतु उपायों की पहचान कीजिए।

नोसोकोमिकल संक्रमण से तात्पर्य अस्पतालों में इलाज के दौरान फैलने वाले संक्रमण से है।

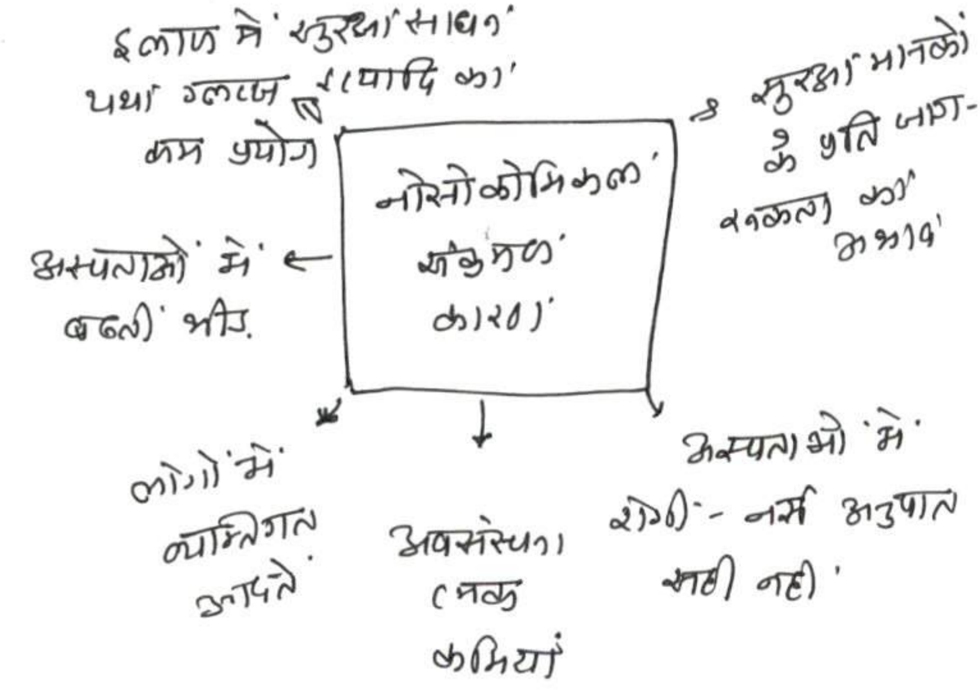

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत : चिन्ताएँ

- भारत एक विशाल जनसंख्या एवं गरम जलवायु वाला राष्ट्र है, अतः मौसमी बीमारियों का संक्रमण फैलता रहता है।

- भारत में अस्पतालों में भौतिक एवं सुरक्षा-मक अवसंरचनाओं की कमी है जिससे प्रोटोकॉल मानकों का पालन नहीं किया जा सकता।

- इससे रोगियों की संख्या में बढ़ोतरी होती रहती है जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र पर दबाव में बढ़ोतरी होती रहती है।

बचाव के उपाय -

- लोगों में सामाजिक तरीकों, सोशल मीडिया इत्यादि के माध्यम से संक्रमण के खिलाफ जागरूकता बढ़ाई जाये।

- हाथ धोने की आदत का विकास।

- डॉक्टर्स, नर्सों द्वारा सुरक्षा मानकों का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पालन कठोर बनाना।

- PHC जैसे छोटे स्तरों पर 'वार्ड-लेवल' पंचायत के माध्यम से स्वास्थिक जागरूकता का विकास।

इस प्रकार नोसोकोमियल संक्रमण को महामारी बनने से पहले सीमित करने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. There is a growing concern that robots, automation and AI will transform the labour markets and lead to massive job loss across the world. Comment. Also mention the steps that can be taken to mitigate the impact of increased automation and AI.

इस विषय में चिंता बढ़ती जा रही है कि रोबोट, ऑटोमेशन (स्वचालन) एवं AI, श्रम बाजार को रूपांतरित कर देंगे और परिणामस्वरूप विश्व भर में बड़े पैमाने पर रोजगारों की हानि होगी। टिप्पणी कीजिए। बढ़ते ऑटोमेशन (स्वचालन) एवं AI के प्रभाव को कम करने हेतु उठाए जा सकने वाले कदमों का भी उल्लेख कीजिए।

विश्व में आर्टिफिशियल इंटेली. जेंस, ऑटोमेशन जैसे माध्यम मानव श्रम को आसान बनाने, त्वरित प्रक्रिया अपनाने तथा लाभ को अधिकतम करने हेतु उपयोग में लाये जाते हैं।

चिंता -

- ऑटोमेशन एवं AI दोनों श्रम बाजार को प्रतिस्थापित करने की संभावना है
- वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में भारत में 69% नौकरियों पर ऑटोमेशन व AI के कारण खतरा है
- विभिन्न क्षेत्र में विभिन्न संस्थाओं, बैंकों द्वारा इसका प्रयोग शुरू भी कर दिया

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

गया है

- मानवीय क्षमता से बहुत ज्यादा कार्य करने में सक्षम होने के कारण यह वैश्विक बाजार को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है

  यथा - चालक रहित कारें, रोबोट इत्यादि का प्रयोग

लाभ -

- कार्य करने की क्षमता में बढ़ोतरी
- लाभ में बढ़ोतरी
- कम विवादों के साथ ज्यादा उत्पादन
- त्रुटियों इत्यादि का कम प्रभाव
- यदि नौकरियां कम होंगी तो आटोमेशन इत्यादि की संचालनीयता के लिए नई नौकरियां पैदा भी होंगी।

उठाये जाने योग्य कदम -

- आटोमेशन एवं AI का प्रयोग उन क्षेत्रों में ही जहां कुशल श्रम की आवश्यकता ज्यादा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- निर्णय कार्यों, रक्षा, अंतरिक्ष क्षेत्र में ज्यादा उपयोग होना चाहिए।

इस प्रकार स्पष्ट है कि AI आज की वास्तविकता है लेकिन इसके लाभ व दुर्गुणों में सामंजस्य बिठाते हुए अधिकतम उपयोग का प्रयास करना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. The importance of IPRs as a marketable financial asset and economic tool needs to be recognised. Elaborate. In this context, analyse how the National Intellectual Property Rights (IPR) Policy intends to lay the future roadmap for intellectual property in India.

बिक्री-योग्य (विपणनयोग्य) वित्तीय परिसंपत्ति एवं आर्थिक उपकरण के तौर पर IPRs के महत्व को मान्यता प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। विस्तारपूर्वक बताईए। इस संदर्भ में, विश्लेषण कीजिए कि राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार (IPR) नीति भारत में बौद्धिक सम्पदा का भावी रोडमैप किस प्रकार निर्धारित करना चाहती है?

बौद्धिक सम्पदा अधिकार किसी राष्ट्र में नवीन विचारों, उपकरणों, आविष्कारों के प्रयोग को बढ़ावा देता है

IPR - आर्थिक महत्व -

- IPR के माध्यम से पेटेंट द्वारा कोई राष्ट्र अपने नागरिकों की शोध, अनुसंधान प्रवृत्ति को बढ़ावा दे सकता है

- IPR के माध्यम से नवीन तकनीक आती है जिससे लागत कम होती है, फलस्वरूप उत्पादन में बढ़ोत्तरी, GDP में वृद्धि।

IPR - चुनौतियाँ

- पेटेंट इत्यादि के कारण 'जेनेरिक दवा'

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निर्माताओं को हानि क्योंकि वे अधिक समय तक अपनी शोध नहीं बना पायेंगे।)
दवा

भारत : राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति

- 2016 में भारत द्वारा अपनी नई IPR नीति को घोषित किया गया है जिसके अंतर्गत भारत अपने आर्थिक संसाधनों, अनुसंधान एवं शोध को बढाने हेतु बौद्धिक अधिकारों को बढावा देगा।
- यह नीति सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यक्तिगत योग्यता के मध्य समन्वय का प्रयास करती है
- अनिवार्य लाइसेंसिंग का प्रावधान

इस प्रकार नई IPR नीति भारत को अपने समाजवादी स्वरूप वाले या बाजारवादी मॉडल के अनुसार स्टैंडर्ड बनाने का प्रयास करती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)